दर्शन विभाग

दर्शन संकाय के अन्तर्गत समाविष्ट दर्शन विभाग में प्राचीनतम दर्शनशास्त्र की अनेक परम्पराओं का आधुनिक पद्धति से अध्यापन करवाया जा रहा है। सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा तथा वेदान्त दर्शन के विभिन्न ग्रंथ पाठ्यक्रम में निर्धारित किए गए हैं।

आस्तिक दर्शनों के साथ ही चार्वाक, जैन तथा बौद्ध दर्शन का विधिवत् अध्ययन तथा अध्यापन विभाग की विशेषता है। शंकराचार्य के अद्वैत वेदान्त तथा रामानुजाचार्य के विशिष्टाद्वैत वेदान्त के अध्यापन के साथ ही जगद्गुरु रामानन्दाचार्य के दार्शनिक ग्रंथों का भी विशेष अध्ययन-अध्यापन एवं गहन शोधकार्य विभाग द्वारा किया जा रहा है। सृष्टि प्रक्रिया, शाब्दबोध आदि का सरलीकरण करते हुए आर्टिफिशियल लेंग्वेज एवं इंटेलीजेन्स के अध्ययन की प्रगति में सहायता हेतु भी विभाग अनुसंधान कर रहा है। इस विभाग में प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को न केवल प्राचीन भारतीय दर्शनशास्त्र अपितु पाश्चात्य दार्शनिकों का भी तुलनात्मक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन करवाया जाता है। शैक्षणिक सत्र 2020-21 में अध्यापन कार्य सीबीसीएस पाठयक्रम तथा ऑनलाइन के माध्यम से भी कराया जायेगा।

दर्शन विभाग की भावी कार्य योजनाएं

1. दर्शन विभाग में CBCS पैटर्न द्वारा पूर्ण शिक्षण व्यवस्था।, 2. विभाग में योगासनों के प्रशिक्षण हेतु एक अलग से कक्ष को सुसज्जित करना।, 3. विभाग द्वारा स्मार्ट क्लास की व्यवस्था तथा ऑनलाइन शॉर्ट टर्म कोर्स को यथाशीघ्र प्रारम्भ करना।, 4. विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना।, 5. राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार/संगोष्ठी का आयोजन।, 6. छात्रों में दर्शन विषयक जागरूकता हेतु चित्र प्रदर्शनी एवं परस्पर वाद-विवाद प्रतियोगिताओं की आयोजना।, 7. छात्रों को प्रधानमंत्री स्वच्छता अभियान तथा वृक्षारोपण आदि के प्रति जागरूक करने हेतु समय-समय पर काय्रक्रमों का आयोजन।

आचार्यगण

श्री महेश शर्मा
विभागाध्यक्ष
9214316999

डॉ. रामेश्वरनाथ द्विवेदी
सहायक आचार्य
9413842030